भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी)

केंद्रीय कमेटी

प्रेस विज्ञप्ति

10 सेतेम्बर 2022

सेतेम्बर 21 तारीख से 27 तारीख तक पार्टी की 18वी वर्षगॉट मनाओ!

पार्टी की 18वी वर्षगॉट को देश भर के ग्रामीण, और शहरी इलाकों मे क्रांतिकारी जोश और दृढ़ संकल्प के सात मनाने के लिये भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) की केंद्रीय कमेटी तमाम पार्टी, पीएलजीए, क्रांतिकारी जन कमेटीयों के कतारों को आह्वात देती है। देश के कोने कोने मे जन बुनियादी को मजबूत करते हुये, पार्टी को मजबूत करते हुये, देश के जनयुद्ध को आगे ले जाने के लिये, रणनीतिक 'समाधान'–प्रहार हमला को हराने के लिये आह्वान देती है।

पार्टी की 18वी वर्षगॉट के मौके पर, पार्टी के संस्थापक नेताओं कामरेड चारू मजुमदार, कामरेड कन्हाय छटर्जी सहित जनता के मुक्ति के लिया प्राण नौछावर किये हुये तमाम शहीद कामरेडों को केंद्र कमेटी विनम्रतापूर्वक क्रांतिकारी लाल अभिवादन पेश करती है। पेरू कम्युनिस्ट पार्टी के नेता कामरेड गोंजालो, फिलिप्पीन्स मे एनपीए के प्रवक्ता कामरेड का ओरिस, गेलीशिया माओइस्ट कम्युनिस्ट पार्टी के संस्थापक नेता कामरेड मार्टिन नाया और कई नेतृत्व कामरेडों के शहादत के कारण अंतरराष्ट्रीय कम्युनिस्ट आंदोलन को बहुत नुकसान पहुंचाया है।

घायल हुये पीएलजीए योधाओं को केंद्रीय कमेटी गेहराई से सहानुभूति व्यक्त करती है। और आशा करती है की, इन कामरेडों जल्द से जल्द स्वास्थ्य हो कर जनयुद्ध के आंगन मे फिर कदम रखेंगे। हमारी पार्टी के वेटरन नेता, और पोलित ब्यूरो की सदस्य कामरेड किशनदा, केंद्रीय कमेटी सदस्यों कामरेड्स शीला दीदी, कंचन दादा, कृष्णमूर्ति, विजय कुमार आर्या सहित तमात राजनीतिक खैदियों जो जेल मे क्रांतिकारी पताके को ऊंचा उठा कर रखें, उन को केंद्रीय कमेटी क्रांतिकारी अभिनंदन पेश करती है।

पिछले एक साल मे पार्टी, पीएलजीए, रणनीतिक, कार्यनीतिक संयुक्त मोर्चा का क्षेत्र मे तीव्र राज्य दमन के बीच पार्टी के 17वी वर्षगॉट के मौके पर पार्टी अपनालिये कर्तव्यों को पूरा करने के लिये काम किया है। इस का मुख्य अंश ऐसा है।

सैद्धांतिक रूप मे मजबूत होना, राजनीतिक शिक्षा, सैनिक निपुणता को बढ़ाना, जनता के राज्याधिकार अंग को, जन संघर्षों को विस्तार करना जैसी क्षेत्रों मे सापेक्षिक विकास रहा। जिला स्तर तक काम करने वाली क्रांतिकारी जनता के राज्याधिकार अंगों ने भ्रूण रुप मे वैकल्पिक विकास नमूने को पेश कर रही है। ये सभी क्षेत्रों मे और भी विकास करने की जरूरत है।

वर्तमान मे, देश मे कारपोरेटीकरण, सैनिकीकरण के खिलाफ एक 'जन उभार' चल रहा है। छत्तीसगढ़ राज्य का सिलिंगेर गॉव मे शुरू हुये संघर्ष देश, दुनिया मे जन संघर्ष का प्रतीक बन गया है। तेलंगाणा राज्य मे आदिवासी जनता अपने झूम खेतों का संरक्षण के लिये लंबे समय से संघर्ष कर रहे है। लगभग सभी क्रांतिकारी आंदोलन के क्षेत्रों मे संघर्ष हो रहा है। इस जन संघर्ष के क्रम मे सशस्त्र संघर्ष द्वारा राज्य सत्ता दखल करने की राजनीति का प्रचार किया है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर साम्राज्यवाद का द्रव्य, वित्तीय संकट दिन पर दिन तेज होता जा रहा है। इस संकट को पार करने के लिया, और अपना ताकत पर आधार होकर दुनिया को विभाजिन कर शोषण चलाने के लिये साम्राज्यवादिओं ने और भी विश्वीकरण नीतिओं को लागू कर रहा है। धनि, और गरीब के बीच के अंतर नया स्तर पहुंच गया है।एसिया, आफ्रिका, लातिन अमेरिका जैसे पिछडे देश पूरी तरह से पराधीन देश बन चुका है। युक्रेन युद्ध के कारण आहार, बेरोजगार जैसी संकट को और तेज हो गई है। साम्राज्यवाद और उत्पीडित राष्ट्रीयताओं, जनताओं के बीच अंतरविरोध और तेज हुआ है। साम्राज्यवादियों के बीच मे और एक बार प्राक्सी युद्ध शुरू हुआ है। नेटो, क्वाड, आकस जैसी गुट से अपना आधिपत्य के दुबारा लाने के लिये अमेरिका कोशिश कर रहा है। रूस और चीन हर क्षेत्र मे होड कर रहा है। इसी कारण से दुनिया भर पर युद्ध का माहोल बन गया है।

भारत देश मे हिंदुत्वा फासीवादी मोदी सरकार विश्वीकरण नीतिओं को लागू करते हुये, एक तरफ आत्मानिर्भर के बारे मे बोलते हुये, दूसरी तरफ देश को 'पराधीन' बनाके रखा है। जब तक सोशण, उत्पीड़न, दबाव और भेदभाव रहेगा, तब तक उत्पीडित वर्गों, तबकाओं और राष्ट्रीयताओं वर्ग संघर्ष करते रहेंगे।

इस परिस्थिति मे, पार्टी के 18वी वर्षगॉट के मौके पर, भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) के केंद्रीय कमेटी शपथ लेती है की, वर्ग संघर्षों, जन संघर्षों को मजबूत कर्ते हुये, दीर्घकालित जनयुद्ध के रास्ते पर दृढ़ता के सात आगे बढ़ेंगे।

अभय
प्रवक्ता
केंद्रीय कमेटी